05

अन्धेपन का जैव-विकास

अपने आसपास दिखाई देने वाले विविध जीवों का वर्तमान स्वरूप सतत् जैव-विकास यात्राओं से गुज़र कर यहाँ तक पहुँचा है। किसी भी जीव के विकास में उसके तात्कालिक प्राकृतवास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक ही प्रजाति के जीव जो अलग-अलग जैव परिस्थितियों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी विकसित होते हैं एक दम भिन्न गुणों, शारीरिक रचनाओं और आकार वाले हो सकते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण छत्तीसगढ़ की कोटमसर गुफा में पाई जाने वाली *N. evezardi* प्रजाति की मछली का है। इसी प्रजाति की मछलियाँ ओडीशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और नेपाल की नदियों में भी पाई जाती हैं पर इनके शारीरिक गुणों में बहुत अन्तर हैं।

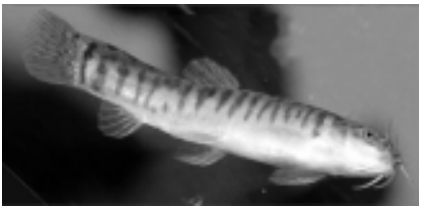

69

पाठ योजनाः विविध मान्यताओं की पड़ताल

पाठ योजनाएँ बनाना सेवा-पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। कई लोग इसे बेकार समझ छोड़ देते हैं तो कई ऐसे भी हैं जो पाठ योजना को अपने आप में ही साध्य मानते हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक का काम जानकारी देना और बच्चों का काम जानकारी लेना है। और ये समस्त जानकारियाँ पुस्तक के अन्दर से और पुस्तक में दिए गए तरीके से सम्पादित की जाती हैं। ज़्यादातर ये पुस्तकीय तरीके ही पाठ योजनाओं का हिस्सा बनते हैं जिन्हें बदला नहीं जा सकता। यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि ये साधन मात्र हैं, साध्य नहीं।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-41 (मूल अंक-98), मई-जून 2015

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

5 | **अन्धेपन का जैव-विकास**
विनता विश्वनाथन

13 | **धूप में टँगा धूल का एक कण**
रुद्राशीष चक्रवर्ती

25 | **रोशनी के दर्रे**
ऐड्रियन फोर्सिथ और कैन मियाटा

38 | **टेसू राजा बीच बाज़ार**
रवि कान्त

44 | **सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के बहाने**
दिलिप चुघ

50 | **बच्चों के सवाल**
केवलानन्द काण्डपाल

57 | **भाषा शिक्षण: समग्र भाषा पद्धति - भाग 2**
सौरभ रॉय

69 | **पाठ योजना: विविध मान्यताओं की पड़ताल**
शोभा सिन्हा

87 | **सफेद गुड़**
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

92 | **दर्द निवारक दवाएँ कैसे काम करती हैं?**
सवालीराम